हस्तलिखित प्रोतयाँ -

1. जिसमें हस्तलेख कर्ता
2. मूलग्रन्थकार का स्वहस्तलेख
3. तुरन्त की प्रतिलिपि
4. प्रतिलिपि की प्रतिलिपि

Testimony of Greeks that Hat alphabets were known to Indians then was writing known.

Bonstrophedon → Writing left → right
right → left

Bre

K ⊀ Bühler says Brahmi script
derived from semitic

Aleph

∧ ∧

⊕ ⊙

L J

Lamed

AD-74. inscription in śārada lipi -

98 śārada inscriptions have been found.

---

1. संचयन
2. संशोधन (शुद्धीकरण)
3. संकलन (संयोजन)
4. संदर्शन
5. संलेखन

Editor should record variants, also wrong readings to reconstruct - Syphly technical -

Brāhmi :

अ - अ आ - आ

इ - ई

∴ - इ - no ई :

L = उ , ⌊ L - initially no उ

ऌ - ऊ

Δ - ऽ no ऽ

Δ au - no at beg

Z - ओ

Z - ओ -

अ° - अं

+ - क ऐ - ख ∧ - ग ω - घ

ऊ० - ङ

d - च ∞ - छ E - ज ⊢ - झ

⊓ - ञ

C - ट O - ठ ⌐ - ड ⌐ - ढ I - ण

⅄ - त, ⅄ - थ 5 - द, D - ध

⊥ - न, ⊔ - प ⊃ - फ, □ - ब,

⊓ - भ, ⊎ - म

ㄴ - य { - र, ⊃ - ल, ⊙ - व

∩ - श, ⊔ - ष, ⊂ - स, ⊃ - ह

⊎ - ा, ⊎ - ि, ⊎ - ी, ⊎ - ु, ⊎ - ू

⊎ - े, ⊎ - ै, ⊎ - ो, ⊎ - ौ

⊎ - ं, ⊎ - ँ

⊂ - ट्, ⊂ - ट्र, ⊂ - ज्र

⊎ - m̐

संपादित पाठ सम्पादन की प्रविधि

- अनुसन्धान
  - संशोधन
  - संस्करण
  - उच्चतर समीक्षा

i — प्राप्य MSS को इकट्ठा करना
ii — सहायक सामग्री का संकलन
iii — सन्तुलन पत्रिका
iv — पाण्डु लिपियों की वंश-वृक्ष बनाना

संशोधन —
खोजना A — वाचनाओं (Recension) का निर्धारण,
B — मूल - आदर्शप्रति / के पाठ को खोजना (archetype)

संस्करण — Emendation (Eg. Complete Works)
Use of diff. brackets :
( ) — correction — सूर्यो - सूर्यो(सूर्यो)
{ } — omitted — उड़ुपेन - उड़ु{ड}पेन
[ ] — filling up — लगतरगम् - लग[ट]वल्य
(?) — Doubtful sp — (क?)

मूल आदर्शप्रति (Archetype) के पाठ का निर्धारण

'क्ष' – Ur-text

↓

'क्ष' – Archetype (मूल आदर्श प्रति)

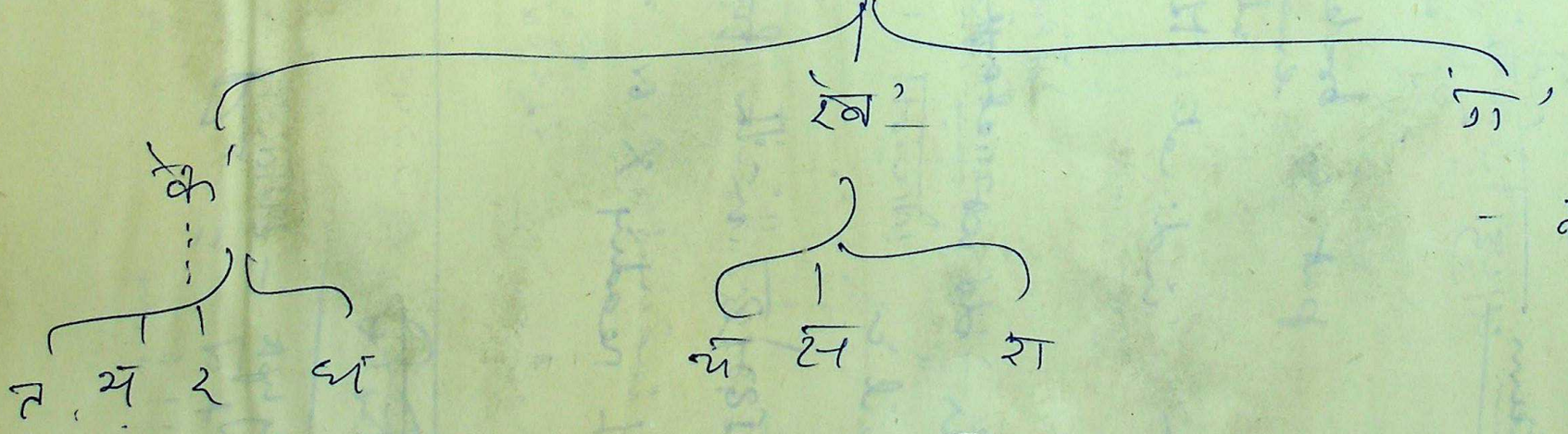

– भविष्य में प्राप्त होने वाली पाठ परम्परा

Criterion for grouping : पाठान्तर का साम्य,

omission – लुप्तांश

तकपशेट

Length of the text

3. ~~~ – put the reading under wave line

6 Emendation – to show * – the letter or portion that is given by ed. when no other reading is suitable

Unique Codices

– अक्षुद्ध

शुद्धि – put in brackets the emended reading & interpretation

शुद्धि – indicate the reading

or keep as it is; do not change reading interpret as it is.

Record all पाठान्तर in the footnote

4. Reconstruct the reading X or lacunae from other sources.

इतर (ग) विधि

---

१ + ② (१ + ८ = ८

Old Nagari

अ - अ

आ - आ

इ - इ

ई - इ (इ) ी - ई

उ - उ , ऊ - ऊ

ऋ - ऋ , ॠ - ॠ

ऌ - ऌ , ॡ , ॡ - ॡ

ए , ऍ = ए , ऐ , ऍ = ऐ

ऒ = ओ , ओ = औ

अं = अं , अः = अः

बे पाण । भले मींडु । बे लीटी ।

ओगण चोटियो माथे पोठियो

मनो नावणो म मां मोवाणेो

मा मारे हाथ मैं दोय लाडु

सिरावाणी सोकरी पाछेवाली पाछेवाली

कंडाली।

द मैं धायो टोकलो माथै चडीयो छोकरो

हाथ में डांगली ।

Selection of MSS - for in Case of innumerable mss :-

1. Antiquity of - Dated -
2. Purity of MSS -
3. Divergent regional Readings
4. Complete

Collation

1. Letter by letter
   omissions
   Insertion
   Marginal note, gloss
   Damage
   Lacuna - blank space
   Transpositions
   Recto/verso, -
   Infra/supra
   Prop -
   Sequence of verse

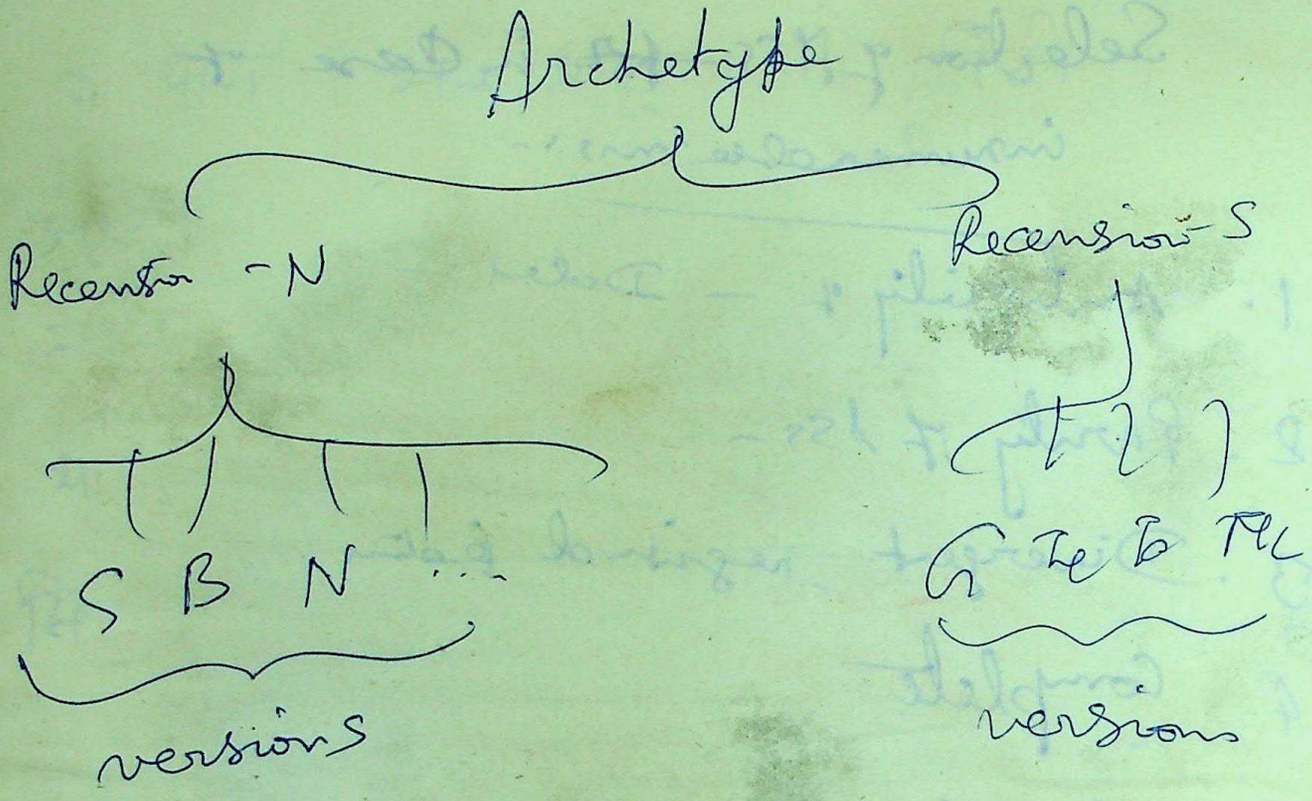

Relationship between Mss -

- by variants
- by omissions
- Transpositions
- Sequence of verses
- Insertions